Permitted to post at Ahd PSO on 15th Every Month under Postal Regd No. GUJ-394/ 2009-2011issued by SSP Ahd valid up to 31-12- 2011

जय हरसिद्ध माता
एस. आर. जे़म्स
हमारे यहाँ सभी प्रकार के सभी साइज में नगीने मिलते हैं व हर तरह की टक्कर घिसाई की जाती है।
रमेशचन्द्र टी. सोनी
मो.: 0 9427030038
फोन : 079-27561321
2, परिणय को.ऑ.हा. सो., मुरली एपा., नीमा स्कूल के पास, भीमजीपुरा, नया वाड़ज, अहमदाबाद-380013.
सोमवार को अवकाश

Mo. : 09328241151
श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज हेतु प्रकाशित
E-mail : swarnjagriti@yahoo.com
www.brahminswarnkar.com

स्वर्ण जागृति

मासिक
R.N.I. No. : GUJBIL/2000/3156
संपादक :- सोनी सुंदरलाल प्रहलादजी फोन : (दु.) 22164380 (नि.) 27550175
283/6, प्रेमदरवाजा के सामने, बाबा का डेहला, अहमदाबाद - 380 002.

पत्रिका शुल्क व विज्ञापन दर
पंचवार्षिक शुल्क रू.300/-
विज्ञापन दर
पूरा पृष्ठ : 4000/- रू.
आधा पृष्ठ : 2500/- रू.
चौथाई पृष्ठ : 1500/- रू.
5से.मी. 9 से.मी. : 400/- रू.
पेनल : 650/- रू.
नोट : यह पेनल विज्ञापन हेतु उपलब्ध है।
संपर्क : 9328241151
079-22164380
यह पत्रिका हमारी वैबसाईट पर भी उपलब्ध है।
www.brahminswarnkar.com

वर्ष : 10 | अंक :12 | दिनांक :15-11-2010 | संपादक : सोनी सुंदरलाल प्रहलादजी | वार्षिक मूल्यः60रुपये | पृष्ठ :4

ट्रस्ट की बैठक 9 जनवरी को

बैठक के प्रायोजक बन समाज के सहयोगी बनें

श्री अखिल भारतीय ब्राह्मण स्वर्णकार सर्वहितकारी ट्रस्ट की आगामी बैठक 9 जनवरी 2011 को अहमदाबाद में नया वाड़ज स्थित श्री बीकानेर ब्राह्मण स्वर्णकार पंचायत भवन में आयोजित की गई है।

उल्लेखनीय है कि ट्रस्ट की बैठकों का खर्च ट्रस्ट के कोष से कभी नहीं लिया गया बल्कि सहयोगदाताओं द्वारा प्रायोजक बन कर उठाया जाता है। भूतकाल में सर्व श्री शंकरलालजी झारोलिया, गिरधारीलालजी मंडोरा-ईड़र, लक्ष्मीचन्दजी परिहार - पेथापुर, हस्तीमलजी बेड़चा - मुंबई, सुंदरलाल बेड़चा- अहमदाबाद, तेजपालजी राठोड़, चैन्नाई, अमृतलालजी जालोरा - पेथापुर आदि ट्रस्ट के हितेच्छुओं द्वारा यह खर्च उठाया गया है ताकि ट्रस्ट का अक्षय कोष सदा अक्षय रहे। एक बैठक का खर्च करीब 15 से 16 हजार रूपये मात्र होता है।

जो सहयोगदाता बैठक के प्रायोजक बनने को तैयार हों वे ट्रस्ट अध्यक्ष श्री शंकरलालजी झारोलिया मो. 9376125241 पर संपर्क करें। प्रायोजक महोदय का नाम निमंत्रण पत्र पर प्रकाशित किया जायेगा व बैठक के बैनर पर भी अंकित होगा। आपसे अनुरोध है कि इस आयोजन के प्रायोजक बन समाज के सहयोगी बने।

काम्बेश्वर सामूहिक विवाह 18 फरवरी 2011

संपर्क - अध्यक्ष 98294 19146 महामंत्री - 9828062345

जोड़ों के पंजीयन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2010

शताब्दी पूर्व के दो हीरे

(1) वकील श्री प्रतापचन्दजी महेचा

आप जसौल निवासी श्री पूनमचन्दजी महेचा के छः पुत्रों में से सबसे बड़े थे। उन दिनों पढ़ने लिखने की सुविधा नहीवत थी। पर गांव की स्कूल में ही पढ़कर इस प्रतिभा शाली ने अपने बलबूते से वकालत की। आप केवल फौजदारी के केस लड़ा करते थे और बड़े बड़े हाकिम तक उनकी धाक मानते थे।

आपका ननिहाल पचपदरा (जि.बाड़मेर) में था तथा आपके एक पुत्र तथा एक पुत्री थी। पुत्र श्री मूलचन्द जी वकील थे तथा पुत्री पाली में श्री विजयरामजी को ब्याही थी।

जाति सुधार को लक्ष्य में रखकर आपने श्री नारायणदासजी बेरिस्टर के साथ दि. 28 मई सन 1908 में एक अपील प्रकाशित करवाई थी। मारवाड़ राज्य में प्रजा तंत्र स्थापनार्थ आपने सक्रिय कार्य किया जिसके परिणामस्वरूप आपको देश निकाल हुआ। (ललकार साप्ताहिक से उद्धृत) जोधपुर नगर में आप प्रथम व्यक्ति थे, जिन्होंने पश्चिमी ढंग का एक सुंदर बंगला बनवाया। जोधपुर में कचहरी रोड़ पर स्थित यह बंगला आपका भव्य स्मारक है।

(2) श्री नारायणदासजी बैरिस्टर

आज से 110 वर्ष पूर्व जब सारा देश शिक्षा में पिछड़ा हुआ था तो मारवाड़ राज्य का तो कहना ही क्या? और उसमें भी हमारे समाज की अवदशा का वर्णन भी नहीं हो सकता। ऐसी विपरित परिस्थितियों में समाज के एक नवयुवक का विलायत से बैरिस्टरी पास कर के लौटना हैरत अंगेज ही माना जायेगा।

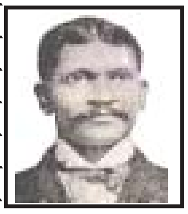

आपके पिताजी का नाम श्री चौथमलजी था। तीन भाइयों में (श्री जगन्नाथजी व बद्रीदासजी - दोनों बड़े) सबसे छोटे श्री नारायणदासजी अपनी प्रतिभा के बल पर तथा अग्रज बद्रीदासजी व जोधपुर के रिज़ेन्ट 'सर प्रताप' (तत्कालिन ईड़र के महाराजा) के घनिष्ठ संबंधों के कारण बैरिस्टर बन सके। विलायत से लौटते समय वे यूरोप के अनेक देशों और अमेरिका, कनाड़ा, जापान आदि प्रगतिशील मुल्कों की यात्रा कर आये।

जोधपुर लौटने पर उनकी इच्छानुसार सर प्रताप ने उनको पाली का हाकिम बनाया। वे समाज के पहले हाकिम थे। हाकिमी करते समय प्रशासकीय कार्य तो आपने अति कुशलता से किये, जिससे उनकी सर्वत्र प्रशंसा हुई, परन्तु इसके साथ-साथ समाज हित आपने कभी ओझल नहीं होने दिया। परिणाम स्वरूप वर्चस्ववाले धनाढ्य वर्ग से उनकी न बनी और उन्हें हाकिमी छोड़नी पड़ी।

सर प्रताप उनकी कार्यकुशलता के कायल थे। अतएव उनको अपने राज्य ईड़र ले गये जहां सात वर्ष तक वे सेशन व डिस्ट्रिक्ट जज रहे। गौर वर्ण तथा प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी बैरिस्टर साहेब बहुत ईमानदार, निर्भीक व स्पष्ट वक्ता थे। जीवन में भाग्य जैसी भी कोई वस्तु होगी नहीं तो इन गुणों से युक्त पुरूष किसी हाईकोर्ट के चीफ जज बनते!

वे अपने वचन के पक्के व मातृ भक्त थे। किसी से यह बात सुनकर कि लंदन में तो मांसादि खाना पड़ता है, उनकी माता ने उनको लंदन जाने से मना कर दिया। श्री नारायणदासजी ने तब यह प्रतिज्ञा की कि वे इनका स्पर्श तक नहीं करेंगे तब कहीं माता से आज्ञा मिली। जब यह समाचार सर प्रताप को मिले तो वे प्रसन्न हुए पर लंदन में शरीर को गर्म रखने की आवश्यकता को समझ, उन्हें खाने के लिये कस्तुरी की गोलियां दीं। श्री नारायणदासजी व उनके सहयोगी पंडीत बद्रीप्रसादजी साकरिया में प्रगाढ मित्रता थी और इन दोनों के अथक प्रयत्नों के फलस्वरूप महासभा की नींव रखी गई। ब्यावर महासभा में आपने चार व्याख्यान दिये तथा उनकी सभा संचालन की पटुता ने उपस्थित समुदाय पर भारी प्रभाव छोड़ा। बीकानेर के चोथी महासभा के आप अध्यक्ष थे तथा हाथरस में चौथे दिन के भी आप अध्यक्ष बनाये गये थे।

आप ही के प्रयत्नों के फल स्वरूप स्वर्णकारों पर जो 'खरड़ा' टैक्स लगाया जाता था, वह बन्द करवाया गया। दो-तीन सदियों से चले आ रहे घोड़े के झगड़े से उत्पन्न विकट परिस्थितियों को दूर करने का आपने जोरदार प्रयत्न किया। तत्संबंधि केसों की कोर्ट में पैरवी की। समाज सुधार व संगठन के लिये आपने श्री प्रतापचन्दजी वकील (जसौल) के साथ एक अपील 28 मई सन 1908 में प्रसारित की थी। आपकी समाज के प्रति अनन्य निष्ठा थी।

(सौजन्य- तपोनिष्ठ ब्राह्मणों का इतिहास- लेखक डॉ भूपतिरामजी साकरिया)

॥ ओम् ॥
कम्प्युटराईज़्ड गोल्ड टेस्टींग लेब
वाडज क्षेत्र में एक मात्र अद्वितीय अत्याधुनिक मशीन द्वारा सोना, चाँदी, प्लेटिनम आदि किसी भी धातु का उत्कृष्ट स्तर से किफायती मूल्य पर अल्प समय में परीक्षण किया जाता है।
सतीशचन्द्र ताराचन्द आर्य (स्वर्ण कुन्दन निर्माता)
Ph. : 079-27642095, 65439567, Mob. : 09227639567
21/12, तुलसी श्याम फ्लेट्स, भीमजीपुरा, नवा वाडज रोड, अहमदाबाद-13.

श्री नाकोडा भैरवाय नमः
भरत जे. सोनी
फोन : (O) 22146881
(R) 22743254
भैरवकृपा ज्वेलरी कोर्नर
सोना-चांदी में जोधपुर (राजस्थानी) एवं स्टोन सेटेड फेन्सी आभूषणों के निर्माता एवं थोक विक्रेता
मुख्य स्थल : 205, आभुषण कोम्पलेक्ष, एम.जी. हवेली रोड, माणेकचौक,
ब्रान्च स्थल : 214, गुसापारेख की पोल, एम. जी. हवेली रोड, माणेकचौक,
अहमदाबाद-1.
सुवर्ण सेवा (रवि-सोम बन्द) चांदी सेवा (शनि-रवि बन्द)

प्रमोद सोनी
विमला कुन्दन आर्ट
हमारे यहाँ रीयल स्टोन की पक्की जड़ाई की जाती है।
ऑर्डर पर जड़ाई के सेट तैयार किये जाते हैं।
कुशल कारिगरों की आवश्यकता है
जड़ाई कार्य सीखने के इच्छुक सम्पर्क करें।
F-26/361, उत्सव एपार्टमेन्ट, भावसार हॉस्टल के सामने, नया वाडज, अहमदाबाद, Ph. : (R) 079-27647625
(M) 09998885566, email : pramod_soni29@yahoo.com

Ph. : 079-22819415 Mo.: 099798 78863
NC
Narayanlal Soni
Chetan N. Soni
All Type Computer Accounts With INCOME TAX & VAT TAX
22, Baliyakaka Society, Opp. Devi Multiplex, Bethak, Naroda, Ahmedabad-382 330.

श्री गौरी એકાઉન્ટ્સ
પાવુ નામુ, વેટટેક્ષ, ઈન્કમટેક્ષ સાથે કોમ્પ્યુટરરાઈઝ્ડ મર્કન્ટાઈલ સીસ્ટમથી લખી આપનાર તથા ગુમાસ્તાધારા અંગેનું કામ કરનાર.

COMEX & MCX ADVISOR
Global Trading
Vimesh R. Soni
Bullion, Forex & Commodities Trading Advisor & Service
504, Kashi Parekh Complex, C. G. Road, Ahmedabad-9.
Mobile : +91 98790 79002
E-mail : vims_001@live.com
commodity2vims@aol.com

पत्रिका का वार्षिक/ पंचवार्षिक शुल्क अवश्य भेजें ताकि पत्रिका नियमित आपकी बेहतर सेवा कर सके।

ब्राह्मण सुवर्णकारं वन्दे ब्रह्म स्वरूपिणम्।
ज्ञान विज्ञान दातारं तपोनिष्ठं शुभाननम्।।
- श्री गोविंदरामजी हेडाऊ, सिवाना

संपादकीय....

उम्र भर यही भूल करते रहे।
धूल थी चेहरे पे और आईना साफ करते रहे।।

इन दो लाईनों में शायर ने दो टूक कह दिया कि हमने कभी हमारा कसूर नहीं देखा। अपने आपको निर्दोष बताने के लिये जाने अंजाने दूसरों के काम हमारे नाम चढ़ा कर बताते रहे। लेकिन आईना तो सब कुछ बता देता है। लोग तो सब कुछ जानते हैं। और उम्र के आखिरी पड़ाव पर अहसास हुआ तो मालूम हुआ कि आईना तो साफ था, धूल तो चेहरे पर थी और हम स्वयं कसूरवार थे। अस्तु!

महासभा के महामंत्री ने अपने कार्यकाल का पिछले एक वर्ष का ब्यौरा प्रस्तुत किया है। वास्तव में इस कार्यकारिणी ने सन 1985 से 1992 तक का तत्कालिन अध्यक्ष मधुशेखरजी के कार्यकाल की याद ताज़ा कर दी है। किन्तु अभी और गति बढ़ाने की आवश्यकता है। कार्यकारिणी के सदस्यों का आपसी समन्वय बहुत आवश्यक है।

पिछले नवरात्रा व दीपावली स्नेह मिलनों के कार्यक्रम जगह-जगह आयोजित हो रहे हैं। इससे दूरियां नजदीकियों में बदलेगी ऐसी हमें आशा है।

श्री अखिल भारतीय ब्राह्मण स्वर्णकार सर्व हितकारी ट्रस्ट की आगामी बैठक 9 जनवरी 2011 को अहमदाबाद श्री बीकानेर ब्राह्मण स्वर्णकार पंचायती भवन में आयोजित होगी। पंचायती भवन के ट्रस्टी मण्डल व समाज अध्यक्ष द्वारा ट्रस्ट की बैठक के लिये भवन सदा निःशुल्क उपलब्ध करवा कर समाज सेवा में अपनी उदात्त भावना व्यक्त की है। जिसके लिये भवन के ट्रस्टी धन्यवाद के पात्र हैं।

इस अंक में 20वीं शताब्दी के प्रारंभ के दो हीरो का परिचय व उनकी तस्वीरें प्रथम बार स्वर्ण जागृति में प्रकट कर रहे हैं। वे हैं श्री प्रतापचन्दजी वकील व श्री नारायणदासजी बैरिस्टर जिन्होंने 102 वर्ष पूर्व महासभा की नींव रखने का यत्न किया था।

आगामी तुलसी विवाह व देव दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

दीपावली

प्रेषक - देवकिशन मण्डोरा, अजमेर

हिन्दूओं में अन्य कोई भी त्यौहार इतना उत्साह से नहीं मनाया जाता है जितना कि दीपावली पर्व। अच्छाई की बुराई पर विजय का पर्व है जो भारत के अलावा अन्य स्थानों पर भी मनाया जाता है। वैसे तो प्रत्येक त्यौहार अपनी धार्मिक आस्था की कहानी लिये हुए है। चार त्यौहार अपने अपने जाति संबन्धित तय किये गये हैं। जैसे कि 'श्रावणी' ब्राह्मणों का, 'दशहरा' क्षत्रियों का, 'दीवाली' वैश्यों का, व 'होली' क्षुद्रों का। दीपावली व्यापारियों हेतु भी मानी जाती है। व्यापारी लक्ष्मी का सिक्कों से पूजा करते हैं और यह दिन नया दिन भी माना जाता है।

भारत वर्ष में दीपावली मानव जाति के द्वारा विश्व व्यापि प्रार्थना है और सारे विश्व के कोने कोने में मनाई जाती है। दक्षिण में यह नरक चतुर्दशी के रूप में मनाई जाती है। जैन समाज इसे 'महावीर निर्वाण' दिवस के रूप में मनाते हैं। दीपावली पांच दिनों तक पौराणिक तौर तरीके से मनाई जाती है। प्रथम दिवस 'धन त्र्योदशी' - जिस दिन व्यापारी अपने खाते बंद कर नये खाते खोलते हैं व हल्दी से पूजन कर दूसरे दिन 'नरक चतुर्दशी' मास की अर्ध कालि रात्रि को नरकासुर की मृत्यु के रूप में मानी जाती है। फिर अमावस के दिन संध्या को लक्ष्मी पूजन किया जाता है। चौथे दिन महाबली अपने राज्य को त्यागने को यह स्मरणार्थ दिवस है। महाबली ने तीनों लोकों में राज्य किया तब विष्णु भगवान वाम अवतार लेकर बली को ताना मानकर राज्य छीन लिया! देखा गया है कि बंगाल में चौथा दिन 'जमघट' के रूप में माना जाता है जिसे सभी उत्साह पूर्वक मनाते हैं, जुआ खेलते हैं फिर 'गोरधन पूजा' किया करते हैं। यह पूजा राजस्थानमें भी की जाती है। अब भाई दूज मनाई जाती है। हर बहन अपने भाई के घर पर अगवानी कर कुम कुम तिलक लगाकर उत्साह से मनाती है। स्त्रियां अपने अपने मुख्य द्वार पर रंगोली मांड कर सजाती हैं। जो हमारी पौराणिक परंपरा है।

लंकापति रावण को मारकर भगवान राम 14 वर्ष बाद अयोध्या में पधार कर अपना राज्याभिषेक करवाया- यह दिवस राम राज्याभिषेक के रूप में मनाया जाता है। इसी के साथ मौसम का बदलाव भी आता है। सूर्य अपनी राशि में पश्चिम से दक्षिण दिशा में आ जाता है। विक्रमादित्य का भी इसी दिन 'राजतिलक' हुआ जिसको 'विक्रम संवत' के रूप में माना जाता है। वाल्मिकी रामायण कहती है -

यावत स्थास्यन्ति गिरय सरितस्य मही तले। तावद्रामायण कथालोकेशु प्रचरिर्व्यति।।

हार्दिक संवेदना

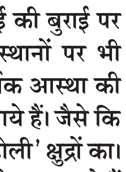

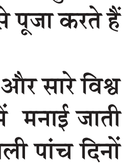

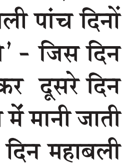

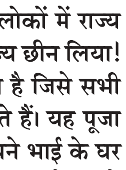

* सोनी वक्तावरमलजी केसरीमलजी कट्टा आयु 60 वर्ष, मू.नि. नाडौल जि. पाली, हाल बी-204 बिल्डिंग नं.2 बल्यु गैलेक्सी, सी.एस. रोड़, दहींसर (पूर्व) मुंबई का दुःखद निधन दि. 13.10.2010 को हुआ।

* सोनी हिराचन्दजी घीसाजी लोरका आयु 72 वर्ष हाल निवासी दरियापुर दरवाजा के बाहर, अमरपुरा अहमदाबाद का दुःखद निधन दि. 18.10.10 को हुआ।

* श्रीमती रामकन्यादेवी सत्यनारायणजी कट्टा, आयु 60 वर्ष मू.नि. छापर हाल निर्णयनगर, अहमदाबाद का दुःखद निधन दि. 22.10.10 को हुआ।

* श्रीमती रामप्यारीदेवी जतनलालजी कट्टा आयु 86 वर्ष मू.नि. बीकानेर हाल निर्णयनगर, अहमदाबाद का दुःखद निधन दि. 17.10.10 को हुआ।

ईश्वर इन सभी दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

बाड़मेर-ब्राह्मण स्वर्णकार समाज नवरात्र व ज्ञान प्रतियोगिता समारोह

बाड़मेर ब्राह्मण स्वर्णकार समाज की ओर से नवरात्रि महोत्सव के तहत 14.10.2010 गुरूवार को दोपहर दो बजे राय कोलोनी स्थित न्याति भवन में लिखित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में समाज के विभिन्न आयु के 110 बच्चों ने भाग लिया। संयोजक भूरचंद जसमतिया ने बताया कि प्रतियोगिता जूनियर व सीनियर वर्गों में हुई। प्रतियोगिता के दौरान समाज अध्यक्ष मुरलीधर सोनी ने निरीक्षण कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राजू सोनी, महेश, करण, हितेष व जगदीश सोनी उपस्थित थे।

दि. 15.10.201 को सुबह 10 बजे सुनारों के वास स्थित जगदंबा मंदिर से शोभायात्रा व रेवाड़ी निकाली गई। दोपहर दो बजे हवन व महा आरती संपन्न हुई।

विदर्भ क्षेत्र, राज् महाराष्ट्र जनगणना पुस्तिका 'स्वर्ण विदर्भ' प्रकाशित

आपको सुचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ क्षेत्र जिला नागपुर (अमरावती, वर्धा, बुलाधाना, यवतमाल आदि...) की श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज की जनगणना पुस्तिका प्रकाशित की गई है।

जो समाज बन्धु इस मंगवाना चाहे उन्हें पोस्ट या कुरियर से भेजी जायेगी। जिसका मूल्य 100 रू. (पोस्ट/कुरियर के खर्च सहित) होगा। यह पुस्तिका समाज बन्धुओं के लिये बहुपयोगी सिद्ध होगी।

- वेद प्रकाश सोनी, मंत्री - अ.भा. ब्रा. स्व. युवा मंडल(विदर्भ) फोन. (का.) 0712-2762168 (घर)2778287मो.9823094850

वैबसाईट

www.brahminswarnkar.com

कृपया आप इस वैबसाईट की अवश्य मुलाकात लें। वैबसाईट में समाज विषयक काफी रोचक जानकारियां हैं। एवं इसे नियमित अपडेट किया जाता है।

आपभी अपने क्षेत्र के समाचार सचित्र इस वैबसाईट पर रखें। ताकि इसका प्रसारण तुरंत ही दुनिया के हर कोने में हो जायेगा। अब तक भारत सहित ऑस्ट्रेलिया, इंगलेण्ड, न्युज़िलेण्ड, रशिया आदि देशों में समाज के हजारों बन्धुओं ने इस वैबसाईट की मुलाकात ली है। आप भी अपने विचार वैबसाईट पर कॉमेंट या ब्लॉग के जरिये रखें।

पंचम वार्षिक पुण्यतिथि

स्व. संजीवकुमार ओमकारमलजी सोनी
निर्वाण तिथि 10/11/2005

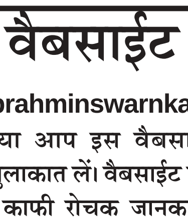

तद्भासयते सूर्यो न शशांको पावकः।
यद्गत्वा न निवर्तन्ते तध्दाम परमं मम।।
(जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परमधाम है।) श्रीमद् भगवद् गीता-15(6)

स्व. सोनी गमनाजी मालाजी
परमार परिवार नागाणी वाला,
मेघाणीनगर अहमदाबाद
तिरुपति ज्वैलर्स - कैलाश ज्वैलर्स
22681788 65255115

बीकानेर-महिला संगठन स्वर्ण सुगंधा द्वारा हवन व सम्मान समारोह

बीकानेर। दुर्गा नवमी के उपलक्ष्य में ब्राह्मण स्वर्णकार महिला संगठन स्वर्ण सुगंधा द्वारा महर्षि दयानंद मार्ग स्थित ब्राह्मण स्वर्णकार पंचायती भवन में सम्मान समारोह व हवन का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथ कलावती आर्य व विषिष्ठ अतिथि लक्ष्मी स्वर्णकार, कमला सोनी ने कवयित्री मीनाक्षी स्वर्णकार, प्रीति, विद्या, भावना, दीपिका, कुसुम, रंजीता, अनुराधा, नीलम को सम्मानित किया। शिक्षा के क्षेत्र में हेमलता को सम्मानित किया गया।

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष मनीषा आर्य सोनी ने महिलाओं से सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए आगे जाने का आह्वान किया। समारोह में पार्षद तारा सोनी, डॉ. सुषमा ने भी विचार रखे। अध्यक्ष विमला सोनी ने समाज की प्रगति के लिये महिला जागृति पर बल दिया। इस अवसर पर नगर आर्य समाज की महिला शाखा ने विश्व शांति के लिये यज्ञ सफल करवाया एवं 21 कंन्याओं का पूजन किया।

फलौदी-ब्राह्मण स्वर्णकार समाज युवा मण्डल द्वारा रामायण पाठ

फलौदी ब्राह्मण स्वर्णकार समाज के मुरली मनोहर मंदिर में विश्व शांति एवं पर्यावरण शुद्धिकरण के लिये लगातार नौ दिन तक रामायण पाठ का अनुष्ठान व हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। जिसका समापन 17 अक्टूबर 2010 को हुआ।

फलौदी ब्राह्मण स्वर्णकार समाज युवा मंडल के सचिव प्रदीप जसमतिया ने बताया कि मण्डल के अध्यक्ष व भाजयुमो उपाध्यक्ष दिनेश सोनी, पार्षद मानकचंद सोनी, नवयुवक मण्डल अध्यक्ष राजाराम सोनी, मदनमोहन जसमतिया, दिनेश कट्टा, यश बाड़मेरा, ओम बाड़मेरा, गोपाल कट्टा, दिनेश जसमतिया, जितेन्द्र जसमतिया, कांतादेवी, निर्मला, प्रीति, सीमा सोनी व बच्चों ने भाग लिया।

आर.एस.एस. द्वारा श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज का आभार माना गया

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर कार्यवाह सुरेश जोशी के नागौर आगमन पर हिन्दू सम्मेलन व त्रिवेणी पथ संचलन में नागौरवासियों व ब्राह्मण स्वर्णकार समाज की सक्रिय भूमिका, सहयोग व भव्य स्वागत के लिये संघ के पदाधिकारियों ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संघ के बीकानेर विभाग सह संघ चालक नंदकिशोर सोनी व जिला कार्यवाह गेनाराम गुरू ने कहा कि संघ के इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर पालिका के साथ-साथ विभिन्न विभागों के द्वारा जो व्यवस्था व सहयोग किया गया वह प्रशंसनीय है। ब्राह्मण स्वर्णकार, कृषि उपज मंडी, व्यापार मंडल, अग्रवाल समाज, कैमिस्ट ऐसोसिएशन, स्थानीय प्रिंट व इलेक्ट्रो मीडिया तथा स्वयंसेवक व सामाजिक संगठनों के सहयोग पर आभार व्यक्त किया।

जालौर एवं भीनमाल - दांडीया रास, फैंसी ड्रेस व खीर महोत्सव संपन्न

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार संगठन की और से समाज के न्याति नोहरे में डांडिया रास व खीर महोत्सव का आयोजन किया गया।

संगठन के सचिव लालकृष्ण सोनी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत मां चामुण्डा की आरती से की गई। समाज के बंधुओं समेत कई जनों ने देर रात तक गरबा नृत्य किया। वहीं रात को खीर का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें श्रेष्ठ पांच बच्चों को चुनकर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

इस समारोह में संगठन अध्यक्ष राकेश सोनी, महेन्द्र समेत संगठन के सदस्य भी मौजुद थे।

भीनमाल- श्री ब्राह्मण स्वर्णकार बालिका एवं युवा संगठन द्वारा श्रीमाली समाज की बगीची में शरद पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर डाडिया रास का आयोजन हुआ। इस अवसर पर 125 लीटर दूध की खीर बनाई गई। इसी अवसर पर बालिका संगठन के अध्यक्ष पद पर दीपिका को सर्वसम्मति से चुना गया। डांडिया में भाग लेने वाली समाज की 101 बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय सह संयोजक रमेश सोनी, अध्यक्ष दिलीप चौहान, उपाध्यक्ष तेजराज, सचिव चंपालाल, राजेश व दिनेश और कोषाध्यक्ष शंकरलाल सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद थे।

दहेगाम - स्नेह मिलन व परिचय पुस्तिका विमोचन समारोह

दहेगाम क्षेत्र जि. गांधीनगर गुजरात में निवास कर रहे प्रवासी समाज बन्धुओं का एक स्नेह मिलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन निलकंठ महादेव दहेगाम जि. गांधीनगर में आयोजित किया गया है। इस समारोह में दहेगाम क्षेत्र की परिचय पुस्तिका का भी विमोचन किया जायेगा।

लौकिक से अलौकिक

संकलन : श्री गोविंदलालजी मण्डोरा, जोधपुर

तिमिर को हरता दीपक

एक धनवान व्यक्ति प्रतिदिन मंदिर जाता। देव प्रतिमा के सन्मुख घी का दीपक जलाता और प्रभु से अपनी सुख समृद्धि के लिये प्रार्थना करता। वह वर्षों से मंदिर में दीपक जलाता आ रहा था। उसी गांव का एक गरीब व्यक्ति भी शाम ढले इसी मंदिर में तेल का दीपक जलाया करता और प्राणी मात्र के कल्याण की प्रभु से विनती करता। बाद में उस दीपक को उठाकर अपने घर के सामने वाली अंधेरी गली के मोड़ पर रख आता। दीपक के सहारे उजाले में लोग बिना ठोकर खाये गली को आराम से पार कर लेते। देव योग से मंदिर में दीपक जलाने वाले सेठ व गरीब का एक ही दिन निधन हो गया। धर्मराज ने सेठ से ज्यादा उस गरीब के पूण्य गिनाते हुए उसे स्वर्ग में अच्छा स्थान देने का पार्षदों को आदेश दिया। धनवान यह सुनकर गुस्सा हो गया। वह बोला - यह तो सरासर अन्यायं है। मैं प्रतिदिन घी का दीपक प्रभु को अर्पण करता था और यह कंगला तेल का दीपक जलाता था यह भला मेरे से ज्यादा कैसे धर्मात्मा हो सकता है? धर्मराज मुस्कराये व बोले - तु अपनी सुख सुविधा व धन धान्य की वृद्धि के लिये दीपक जलाकर रखते थे। जबकि यह गरीब सभी का हित साधने एवं आते जाते लोगों को राह दिखाने के लिये अंधेरी गली में दीपक रखता था। कर्मों का आकलन इस बात से किया जाता है कि वह कार्य किस प्रयोजन से किया जा रहा है। दूसरों की भलाई के लिये किये गये किसी भी कार्य का पुण्य स्वभावतः अधिक होता है।

ट्रस्ट में नवागन्तुक आजीवन सदस्य

दीपावली की इस पावन पर्व की पूर्व संध्या तक श्री अखिल भारतीय ब्राह्मण स्वर्णकार सव;हितकारी ट्रस्ट में सात नये आजीवन सदस्यों का आगमन हुआ। दिलचस्प बात यह भी है कि अहमदाबाद समाज के एक युवक मण्डल ने भी संस्था को आजीवन सदस्य बनाया। इन सभी आजीवन सदस्यों को समस्त ट्रस्ट व उसके लाभार्थियों का हार्दिक धन्यवाद व दुवाएँ।

(1) **श्री ब्राह्मण स्वर्णकार नवयुवक मण्डल**

- (पाली जि. संलग्न) अहमदाबाद

इस मण्ड़ल के सदस्यों ने एक अच्छा निर्णय लेकर श्री अखिल भारतीय ब्राह्मण स्वर्णकार सर्वहितकारी ट्रस्ट की संस्थाकीय आजीवन सदस्यता ग्रहण की। दि. 14.10.10 को चैक द्वारा अपनी राशि बैंक में जमा करवाई।

(2) **श्री देवेन्द्रकुमारजी मण्ड़ोरा** - अहमदाबाद

श्री देवेन्द्रकुमारजी राधेश्यामजी मण्ड़ोरा मू.नि. ब्यावर, हाल निवास व व्यवसाय अहमदाबाद ने ट्रस्ट के बारे में काफी सुन रखा था। लेकिन इसका प्रत्यक्ष अनुभव उन्हें तब हुआ जब ब्यावर के हृदयरोग पीड़ित श्री अनिल सोनी को अधिक ईलाज़ हेतु अहमदाबाद लाया गया और जहां ट्रस्ट अध्यक्ष श्री झारोलिया ने उन्हें पूर्व में दिये गये वादे के अनुसार, हिम्मतनगर बैठक में इकत्र 71700 रू. की सहायता की बात कही। सद्भाग्य से अनिल सोनी को हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. की राय में अधिक ईलाज़ की आवश्यकता नहीं होने की बात की। श्री देवेन्द्रकुमार ने तुरंत ही फैसला कर लिया कि वे भी ट्रस्ट के आजीवन सदस्य बनेंगे और उन्होंने 18.10.10 को अपनी राशि ट्रस्ट में जमा करवाई।

संपर्क - 9427061767

(3) **श्री रमेशकुमारजी बेड़चा** - मुबंई

मुंबई में हीरा ज़वेरात के व्यापारी व पाली जिले के धणां गांव के मूल निवासी श्री रमेशकुमारजी लालचन्दजी बेड़चा ने पहले से ही ट्रस्ट की आजीवन सदस्यता का मन बना रखा था। उन्होंने दि. 26-10-10 को अपनी शेष राशि ट्रस्ट में जमा करवाई व वे ट्रस्ट के आजीवन सदस्य बन गये। साथ ही उन्होंने अपनी धर्मपत्नी को भी ट्रस्ट का आजीवन सदस्य बनाया।

संपर्क-9820206213

(4) **श्रीमती कान्तादेवी रमेशकुमारजी बेड़चा** - मुंबई

इस ट्रस्ट की शाख व विश्वसनियता इतनी ऊंची है कि हमारे समाज की महिलाएँ भी ट्रस्ट की आजीवन सदस्य बन रही हैं। पुरूष वर्ग जहां बात जल्दी समझ जाता है वहीं महिलाओं को सामाजिक संस्थाओं की शाख उनके गले उतारना दुरुह कार्य है किन्तु ट्रस्ट के वर्तमान कार्यकारिणी ने सख्त परिश्रम से जो शाख बनाई है वहां महिलाएँ भी ट्रस्ट के सद्कार्यों से प्रभावित हैं।

श्रीमती कान्तादेवी रमेशकुमारजी बेड़चा ने भी ट्रस्ट के सद्कार्यों से प्रभावित हो ट्रस्ट का आजीवन सदस्य बनना तय किया। इस युगल सपत्नीक आजीवन सस्य को ट्रस्ट अध्यक्ष श्री झारोलिया ने तहेदिल से धन्यवाद अर्पित किया।

(5) **श्री रविप्रकाशजी मण्ड़ोरा** - अहमदाबाद

श्री रविप्रकाशजी कन्हैयालालजी मण्ड़ोरा मू.नि. ब्यावर हाल निर्णयनगर अहमदाबाद में जड़तर का व्यवसाय करते हैं। उन्होंने ट्रस्ट का आजीवन सदस्य बनने हेतु पूर्व में संकल्प यिा था। दि. 28.10.10 को उन्होंने चैक द्वारा अपनी राशि ट्रस्ट में भिजवाई। श्री मण्ड़ोरा समाज के बच्चों को जड़तर कार्य सिखाने हेतु सदा तत्पर रहते हैं। जो बन्धु इनसे जड़तर कार्य सिखना चाहे वे उनसे संपर्क करें। संपर्क - 9426247546

(6) **श्री भरतकुमारजी कट्टा**-अहमदाबाद

श्री भरतकुमारजी फूलचन्दजी कट्टा, मू.नि. नाड़ौल जि. पाली हाल शाहीबाग अहमदाबाद निवासी जवाहरात रत्नों का व्यापार करते हैं। आपने एक बार ट्रस्ट की बैठक में भी शिरकत की थी। मुंबई के श्री रमेशकुमारजी बेड़चा ने ट्रस्ट की सपत्नीक आजीवन सदस्यता की राशि श्री भरतकुमारजी द्वारा ट्रस्ट में भिजवाई तो उन्हें कोषाध्यक्ष कार्यालय में ट्रस्ट के बारे में और भी जानकारी हासिल हुई। उन्होंने भी सपत्नीक आजीवन सदस्यता ग्रहण करने का निश्चय कर अपनी राशि ट्रस्ट में भिजवाई। संपर्क - 9825050945

(7) **श्रीमती पुष्पादेवी भरतकुमारजी कट्टा** - अहमदाबाद

श्रीमती पुष्पादेवी, श्री भरतकुमारजी फूलचन्दजी कट्टा की धर्मपत्नी व एक आदर्श गृहिणी हैं। श्री भरतकुमारजी कट्टा ने स्वयं ने तो ट्रस्ट की आजीवन सदस्यता ग्रहण की ही किन्तु ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे सत्कार्यों का धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पादेवी को भी भागीदार बनाया।

ट्रस्ट अध्यक्ष श्री शंकरलालजी झारोलिया ने इन सभी आजीवन सदस्यों को ट्रस्ट की शाख ऊँचे ले जाने सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त किया।

ट्रस्ट में दो संकल्पित

* सोनी कांतिलालजी शिवलालजी परिहार मू.नि. गांव नून जि. सिरोही हाल घी कांटा मयूरी फ्लैटस् अहमदाबाद ने अपने चाचा व ट्रस्ट के आजीवन सदस्य श्री नाथूलालजी शिवलालजी परिहार की प्रेरणा व पू. माता गं.स्व. श्रीमती सीतादेवी बाबूलालजी परिहार के आदेश व शुभ आशीर्वाद से पू. पिता स्व. श्री बाबूलालजी शिवलालजी परिहार व पू. माता श्रीमती सीतादेवी बाबूलालजी परिहार को श्री अखिल भारतीय ब्राह्मण स्वर्णकार सर्वहितकारी ट्रस्ट के आजीवन सदस्य बनाने हेतु दीपावली के शुभ दिन दि. 5.11.2010 को संकल्प लिया। ट्रस्ट अध्यक्ष श्री झारोलिया ने उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

अखिल भारतीय श्री ब्राह्मण स्वर्णकार महासभा की गतिविधियां

महासभा का एक वर्ष

महामंत्री गोविन्द प्रकाशजी सोनी एडवोकेट

25 अक्टूबर 2009 को महासभा की वर्तमान कार्यकारिणी का निर्वाचन हुआ था जिसमें अधिसंख्य पदों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ था। यह हमारे समाज सदस्यों का सहयोगात्मक रूख का परिचायक है।

इससे पूर्व की कार्यकारिणी 08.04.2000 से 25.10.2009 तक रही एवं उससे पूर्व की कार्यकारिणी 07.03.1992 से 07.04.2000 तक पदारूढ रही एवं उनसे पूर्व सितंबर1985 से 07.03.1992 तक मधुशेखरजी बतौर अध्यक्ष पदारूढ रहे। वैसे महासभा की स्थापना 1908 में हो गई थी।

निर्वाचन आयोग

वर्तमान कार्यकारिणी को बाद निर्वाचन भरापूरा परिवार मिला, परन्तु आवश्यकता थी प्रबन्ध की। निर्वाचन के दिन ही हमने घोषणा कर दी थी, 25 अक्टूबर 2009 को निर्वाचित इस कार्यकारिणी का संविधानानुसार कार्यकाल 24 अक्टूबर 2012 को ही पूर्ण हो जाता है। इसलिये आगामी नई कार्यकारिणी का गठन 24 अक्टूबर 2012 से पूर्व पूर्ण होगा तथा इसके स्वतंत्र निर्वाचन आयोग गोपाललालजी स्वर्णकार के नेतृत्व में दो सहयोगी चुनाव आयुक्त सत्यनारायणजी नागपुर तथा रामेश्वरजी जसमतिया जोधपुर के साथ बना दिया।

प्रथमतः समाज में बाद निर्वाचन अगले चुनाव हेतु जो संशय की स्थिति रहती थी, उसे प्राथमिकता से ही समाप्त कर दिया, अब महासभा के आगामी निर्वाचन उपरोक्त प्रभारी टीम (निर्वाचन आयोग) स्वतः ही करवायेगी। इस प्रकार हमने प्रथम कार्य के रूप में महासभा पदाधिकारियों का समाज में विश्वास कायम करने का प्रयास किया।

सम्पूर्ण भारत में स्थानीय एवं जिला स्तर पर संगठन

अखिल भारतीय स्तर पर किस प्रकार का संगठन था एवं स्थानीय सभाओं का क्या लेखा-जोखा था, हम सभी से छुपा नहीं है। वर्तमान कार्यकारिणी ने सबसे पहले समाज के स्थानीय एवं जिला स्तर पर संगठन बनाने पर ध्यान दिया है। आज हम सम्पूर्ण भारत के प्रत्येक जिले तक पहुंच गये हैं एवं सभी जिलों में महासभा का प्रत्यक्ष सम्पर्क हो गया है। क्योंकि हमारा समाज राजस्थान में जरूर अधिसंख्य बसता है परन्तु राजस्थान ही सम्पूर्ण भारत नहीं है। सभी प्रदेशों एवं जिलो एवं स्थानीय संगठनों के जुड़ाव से ही सम्पूर्ण भारत है तो हमने पहला कदम जिलों के बाद स्थानीय स्तर पर संगठनों को सूचिबद्ध करना एवं निर्वाचन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है।

सम्पूर्ण भारत में समान रूप से ओ.बी.सी.

वर्तमान महासभा की कार्यकारिणी की प्रथम बैठक रामदेवरा में हुई, उसमें हमने निर्णय लिया कि हमारा समाज राजस्थान, महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश में ओ.बी.सी. में है। परन्तु गुजरात एवं अन्य कई राज्यों में ओ.बी.सी. में शामिल नहीं होने से वहां के नौजवानों को अन्य संगठनों से प्रतियोगिता में पिछड़ना पड़ता है। इसलिये हमने एक प्रस्ताव द्वारा निर्णय लिया कि प्रत्येक माह के प्रथम दिवस को 2 से 4 बजे कार्य स्थगित कर जिला कलक्टर को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देंगेएवं मांग करेंगे कि स्वर्णकार समाज को सम्पूर्ण भारत में समान रूप से ओ.बी.सी. में शामिल करें। जिससे समाज के नौजवानों को इसका फायदा मिल सके एवं समाज की एकता भी प्रकट हो। विशेष रूप से गुजरात राज्य में भी समाज के काफी लोग रहते हैं एवं वहां हम ओ.बी.सी. में नहीं हैं। जिसके लिये हम विशेष रूप से प्रयासरत हैं तथा गुजरात के मुख्यमंत्री, समाज कल्याण मंत्री से पत्रों के द्वारा सम्पर्क में हैं तथा शीघ्र ही उन्हें महासभा की ओर से मिलकर ज्ञापन देने जायेंगे, जिसमें गुजरात का समाज भी हमारे साथ होगा।

शिक्षा समिति और शिक्षा

इसके बाद चौथा कार्य हम करने को प्रयासरत हैं, वह शिक्षा के क्षेत्र में समाज की भागीदारी। इसके लिये शिक्षा समिति बनाई है। जिसने भी रिपोर्ट अभी दे दी है। उस पर कार्यकारिणी में निर्णय कर फिर समाज में शिक्षा का स्तर किस प्रकार से बढ़ाया जाये। उसके लिये स्थानीय स्तर से प्रयत्न करेंगे, सभी तरह से सहयोग करेंगे।

सामुहिक विवाह प्रोत्साहन व सहयोग

समय की मांग है कि सामुहिक विवाह को प्रोत्साहन दिया जावे, खेड़ब्रह्मा में सामुहिक विवाह आयोजित हुए, अब 18 फरवरी 2011 को शिवगंज में सामुहिक विवाह सेवा समिति द्वारा सामुहिक विवाह आयोजित होंगे। महासभा इन कार्यक्रमों में तन-मन-धन से पूर्ण सहयोग दे रही है।

खेल समिति एवं खेल आयोजन

समाज के एक स्थान से दूसरे स्थान वालों को जोड़ने में खेल भी एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं एवं खेल से अनुशासन भी आता है। इसलिये हमने खेल समिति द्वारा विभिन्न खेलों के आयोजन का निर्णय लिया है। जिसमें कबड्डी एवं शतरंज के खेल अखिल भारतीय स्तर पर होंगे तो बीकानेर में क्रिकेट का एक मैत्री मैच का आयोजन रखा गया है।

युवक-युवती परिचय पत्रिका

युवक-युवती परिचय सम्मेलनों का अपने-अपने स्तर पर स्वस्फूर्त से चलन हुआ है। उसमें समाज के व्यक्तियों का काफी पैसा एवं समय, आने-जाने एवं सम्मेलनों के पंजीयन में खर्च हो गया एवं ठगे से रह जाते हैं। महासभा ने इससे मुक्ति दिलाने हेतु एक युवक-युवती परिचय पत्रिका निकालने का निर्णय लिया है। जिसमें मात्र बायोडेटा एवं फोटू चाही जावेगी, न पंजीयन शुल्क और न ही पुस्तिका का मूल्य। सभी कार्य निःशुल्क होगा। जिसकी भी तैयारी चल रही है जिसका कार्य प्रगति पर है।

धर्मशाला एवं महासभा का बृहद कार्यालय भवन

मथुरा में समाज की धर्मशाला जिसे समाज के ही एक व्यक्ति ने विक्रय कर दिया। उसके निरस्ति का वाद मथुरा में चल रहा है। हम अभी मथुरा भी जाकर आये है एवं वाद के शीघ्र निरस्तिकरण का प्रयास कर रहे हैं।

आगे हमारी योजना है कि जोधपुर में महासभा का बृहद कार्यालय भवन का निर्माण हो, जो सम्पूर्ण भारत के हमारे समाज के सदस्यों का एक शक्ति केन्द्र बन सके एवं जहां से शिक्षा का कार्य संचालित हो सके। दूसरा हरिद्वार में समाज की एक धर्मशाला हो।

समाज सहयोग

हमारी इच्छा उपरोक्त कार्यों को करने की है, परन्तु ये तभी पूर्ण एवं सफल होंगे जब आप सभी समाजवासियो का हम सभी को सक्रिय सहयोग मिलेगा। सहयोग तीन प्रकार का होता है, तन-मन-धन से अर्थात मन की बात पत्र में लिख कर भी सहयोग किया जा सकता है।फिर भी इसके अतिरिक्त समाज का हर सदस्य जो बैठको, सम्मेलनों में नहीं पहुंच सकता, वह मुझे सीधे ही अपने सुझाव प्रेरणा स्वरूप भेज सकते हैं। वे हमारे लिये मूल्यवान होंगे।

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार सर्वहितकारी ट्रस्ट जोधपुर के चुनाव

जसमतिया पुनः अध्यक्ष

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार सर्वहितकारी ट्रस्ट जोधपुर के चुनाव दि. 10.9.2010 को जारी अधिसूचना के तहत दि. 26.9.2010 को स्थानीय ट्रस्ट भवन में संपन्न हुए।

जोधपुर शहर में समाज की मुख्य संस्थाओं का चुनाव होना किसी पर्व से कम नहीं। चारों ओर बस चुनावी माहौल की सरगर्मी ही नज़र आती है।नाम वापिस लेने के पश्चात् 12 ट्रस्टियों के लिये 39 उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव में मतदाताओं की न्यूनतम आयु 25 वर्ष की थी। मतदान दि. 26.9.2010 को सुबह 9 से सायं 5 बजे तक कुल 1577 मतदाताओं ने अपने अधिकार का प्रयोग किया। जो 12 ट्रस्टी सर्वाधिक मतों से विजयी हुए वे इस प्रकार रहे -(1) रमेश सुखरामजी जसमतिया (599 वोट) (2) श्रीमती गीता काला (578) (3) चन्द्रप्रकाश बाड़मेरा (566) (4) किशनगोपाल बाड़मेरा(560) (5) चन्दरशेखर जसमतिया (538) (6) ईश्वरलाल कट्टा (529) (7) संजय कट्टा (526) (8) चन्द्रशेखर लाडणवाल (516) (9) दीपक मण्ड़ोरा(508) (10) चान्दप्रकाश कट्टा (482) (11) ओमप्रकाश बाड़मेरा (470) और (12) तुलसीराम लाडणवाल (468)

ट्रस्ट मण्ड़ल इस तरह गठित किया गया। (27.9.2010)

अध्यक्ष - रामेश्वर जसमतिया, उपाध्यक्ष - ओमप्रकाश लाडणवाल

मंत्री - तुलसीराम लाडणवाल, उप मंत्री - ज्योतिप्रकाश काला

कोषाध्यक्ष - ईश्वरलाल कट्टा, प्रचार व संगठन मंत्री - संजय कट्टा

सदस्य - चन्द्र प्रकाश बाड़मेरा, रमेश जसमतिया, चन्द्रशेखर जसमतिया, चन्द्रशेखर लाडणवाल, नन्दकिशोर बाड़मेरा, पुखराज हेड़ाऊ, चन्द्र प्रकाश कट्टा व देवेन्द्र बूचा।

मुख्य चुनाव अधिकारी श्यामसुन्दर लाडणवाल, सहायक चुनाव अधिकारी मनीष मण्ड़ोरा व महेश कट्टा ने बड़े ही सुंदर ढ़ंग से यह चुनाव संपन्न करवाये।

चुनाव अधिकारियों का विचार व सुझाव है कि श्री ब्राह्मण स्वर्णकार सर्वहितकारी ट्रस्ट जोधपुर के सदस्यों की सूची नहीं होने के कारण चुनाव में काफी समय लगता है अतः सदस्यता शुल्क तय कर सदस्यों की सूची तय तैयार की जावे। चुनाव कार्यक्रम में नामांकन भी शुल्क होना चाहिये तथा जो भी सदस्य ट्रस्टी हेतु चुनाव लड़ता है तो उससे ट्रस्ट के लिये सहायता राशि (करीबन 2100/- रू.) लेना आवश्यक करना चाहिये।

स्व. राजेन्द्र सोनी के पुत्रों को सहाय

गतांक में 'स्व. राजेन्द्र सोनी के पुत्रों को दर-दर की ठोकरे' शीर्षक के तहत जोधपुर के स्व. राजेन्द्र सोनी की पुलिस हिरासत मे मौत व उसके बाद कहीं से भी उनके पुत्रों को राज्य सरकार व जोधपुर समाज से सिवाय आश्वासन के कुछ नहीं मिला कि खबर आपने पढ़ी। स्वर्ण जागृति में प्रकाशित इस खबर से ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शंकरलालजी झारोलिया ने तुरंत ही स्व. राजेन्द्र सोनी के पुत्र से संपर्क कर उसे सहायता का आश्वासन दिया। उनके अनुरोध पर ईड़र के श्री गिरधारीलालजी मण्ड़ोरा 2000 रू., श्री ताराचंदजी धांधल 2000 रू. व श्री भंवरलालजी कट्टा 1000 रू. तथा स्वयं श्री झारोलिया के 2000 रू. कुल 7000 रू. इकत्र कर उसे जोधपुर स्व. राजेन्द्र सोनी के वारिस चि. अमित को दि. 29.10.2010 को श्रीमान गोविन्दलालजी मण्ड़ोरा के हाथों पहुंचाया गया।

चि. अमित ने स्वर्ण जागृति को बताया कि वह वर्तमान में सी.एस., एक्जीक्युटीव कोर्ष कर रहा है। पिता की मृत्यु के पश्चात् वित्तिय अभाव में यह कोर्ष छोड़ देना पड़े ऐसी स्थिति आ गई थी। किन्तु अहमदाबाद से श्री शंकरलालजी झारोलिया द्वारा प्रेषित सहाय से मेरे कोर्ष की वार्षिक फीस जमा हो गई जिससे मैं निश्चिंत हो गया। उसने आगे बताया कि श्री झारोलिया ने भविष्य में भी आवश्यकता पड़ने पर सहयोग का आश्वासन दिया है। मै उनका जितना आभार मानूं उतना कम है।

Welcome to Gujarat

गुजरात का नं. १ ज्वेलरी ऐकझीबीशन

Gujarat Jewellery Show-2011

100% B2B JEWELLERY SHOW

GJS The Trend of Trade

Date **21-22-23** January 2011

SPONSOR

M.I.SONI AN EXQUISITE JEWELLERY
MAHESHBHAI I. SONI JEWELLERS

DIRECTORY SPONSOR
Sanjaykumar Manubhai Soni

Venue

गुजरात युनिवर्सीटी ऐकझीबीशन होल, हेल्मेट सर्कल के पास,
१३२" रींग रोड, अहमदाबाद, गुजरात.

Time : 10-00 am to 6-00 pm

ORGANISER

पीयुष आचार्य : 99254 04052 जीज्ञेश पाटडीया : 98246 98135

सोनेके भाव के फ्री SMS के लीये संपर्क करे : 92743 60582
टीकीट पुछताछ के लीये : 92743 60582
शो-गाईड अेडवर्डटाईझमेन्ट की पुछताछ के लीये : 99242 22524

LOG ON TO
www.indianjewellerydirectory.com
www.gjs.co.in
e-mail : gjsevent@gmail.com

गुजरात का नं. १ ज्वेलरी ऐकझीबीशन

Gujarat Jewellery Show-2011

GJS The Trend of Trade

30 अक्टूबर तक	₹ :	500/-
1 नवेम्बर से 15 डीसेम्बर तक	₹ :	700/-
On The Sport	₹ :	1000/-

टीकीट हेल्प लाईन नंबर : 92743 60582

ऐकझीबीशन हाईलाईट

- गुजरात और अन्य राज्य के होलसेलर्स का B2B ज्वेलरी शो ।
- सभी प्रकार की ज्वेलरी के होलसेलर्स अब GJS मे ।
- गुजरात का अब तक का सबसे बडा B2B ज्वेलरी ऐकझीबीशन ।
- १८० से ज्याद स्टोल्स ।
- गुजरात का सब से बडा ऐकझीबीशन होल ।
  भारत के ज्वेलरी ईन्डस्टीझ के मुख्य राजय जैसे के
  गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान के होलसेलर्स अब GJS मे
- आपकी जरुरत के हीसाब से सभी प्रकार की ज्वेलरी का समाधान ।
- GJS द्वारा नेशनल लेवल पर एडवर्डटाईझमेन्ट केम्पेईन ।
- स्टोल होल्डर्स और वीझीटर्स के बीच व्यापारीक संबंध स्थापीत करने का अच्छा मौका ।
  पहले ऐकझीबीशन का अनुभव और आपके सहकार के बाद उत्तम ज्वेलरी
  ऐकझीबीशन की आपको अनुभूती कराने के लीये सक्षम टीम ।

Owner, Printer, Publisher & Editor : Soni Sunderlal Prehladji, Printed at Brijasha Offset, Saraspur, A'bad-18 & Published from 283/6, Opp. Prem Gate, Bawa's Dehla, A'bad-02